पूर्व उप मु.मंत्री सचिन पायलट जयपुर ग्रामीण सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चोपड़ा और दौसा से मुराली लाल मीणा की नामांकन सभा में शामिल हुये। जयपुर में अनिल चोपड़ा की नामांकन सभा में पायलट ने उन्हें अपने संघर्ष का साथी बताते हुये जनता से उन्हें जीत दिलाने की अपील की।

'अनिल चोपड़ा संघर्ष के साथी हैं, इन्हें जितवाएं'

सचिन पायलट ने जयपुर ग्रामीण के कांग्रेस प्रत्याशी के लिए लोगों से अपील की

- **सचिन पायलट ने दौसा के प्रत्याशी विधायक मुरारी लाल मीणा के लिए कहा कि, मुरारी लाल मीणा को अगर सांसद बनाकर भजेंगे तो दौसा का और ज्यादा विकास होगा।**

जयपुर, 27 मार्च (का.प्र.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की मौजूदगी में जयपुर ग्रामीण से कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चोपड़ा और दौसा से विधायक मुरारीलाल मीणा ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन सभा में सचिन पायलट ने अनिल चोपड़ा को संघर्ष का साथी बताते हुए जीत दिलाने की अपील की। सभा में जयपुर ग्रामीण लोकसभा के तहत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा, मनीष यादव, जिलाध्यक्ष गोपाल मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत भी शामिल हुए।

दौसा से कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए गए विधायक मुरारीलाल मीणा के नामांकन से पहले हुई सभा में सचिन पायलट ने उपस्थित जनता से उन्हें जीत दिलाने की अपील करते हुए कहा कि, दौसा क्षेत्र में मुरारी लाल मीणा ने आप लोगों के बीच रहकर लगातार काम किया है। ऐसे में इन्हें अगर सांसद बनाकर दिल्ली भेजेंगे, तो दौसा के विकास को चार चांद लगेगा। इस दौरान पूर्व विधायक गजराज खटाना सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद थे। राजस्थान में पहले दौर के नामांकन की अंतिम तिथि पर आज राजस्थान की 12 सीटों पर उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। जयपुर शहर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास, जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा, दौसा से मुरारी लाल मीणा, चूरू से राहुल कस्वा, झुंझुनूं से बिजेंदर ओला सहित अन्य उम्मीदवारों ने अपने नामांकन दाखिल किए।

मु.मंत्री केजरीवाल को जेल भेजकर ई.डी. पहला राउण्ड तो जीत गयी

पर, अब "अरैस्ट" की वैधता पर कोर्ट में बैकफुट पर नज़र आयी

- **ई.डी. ने न्यायालय से तीन सप्ताह का समय मांगा केजरीवाल द्वारा तुरंत रिहाई के लिये दायर याचिका का जवाब देने के लिये।**
- **केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी प्रभावशाली तर्क देते हुए न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा से यह आदेश लेने में सफल हुए कि, न्यायालय शीघ्र ही मामले की सुनवाई करेगा, ज्यादा लंबी तारीख नहीं देगा।**

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन आने वाले एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) और जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच रस्साकशी जारी है।

आबकारी नीति के केस में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के वर्तमान मुख्यमंत्री को जेल के सींखचों के पीछे डालकर प्रथम दौर की बाजी जीतने के बाद लगता है कि ई.डी. अब बैकफुट पर आ गया है। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और जेल को इस आधार पर चुनौती दी है कि उन्हें किसी उचित एवं निर्णायक जाँच-पड़ताल के बिना ही जेल में डाल दिया गया।

ई.डी. ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट से अनुरोध किया है कि गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका का जवाब प्रस्तुत करने के लिए उसे समय दिया जाए।

ई.डी. की तरफ से कोर्ट में पेश हुए एडीशनल सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि प्रतिवादी पक्ष की ओर से मंगलवार को ही एक भारी-भरकम याचिका दायर की गई और उसका जवाब तैयार करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया जाए। उन्होंने कहा कि अंतरिम राहत के लिए भी जवाब के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए।

"आप" प्रमुख की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट ए.एम. सिंघवी ने आरोप लगाया कि जवाब प्रस्तुत करने में समय मांगने का अनुरोध मामले को लम्बा खींचने की चाल है। उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि गिरफ्तारी का आधार क्या है और ऐसे कई "सुस्पष्ट मुद्दे" हैं, जिन पर हाई कोर्ट को तुरन्त निर्णय लेने की आवश्यकता है।

सिंघवी ने अदालत को बताया कि एक वर्तमान मुख्यमंत्री को चुनावों के ठीक पहले गिरफ्तार कर लिया गया। "लोकतंत्र के मर्म में समान अवसर दिए जाने की बात है। इसका मतलब है स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव। यदि आप समान अवसरों को किसी भी तरह से असमान करते हैं तो आप लोकतंत्र की मूल संरचना से छेड़छाड़ कर रहे हैं।"

चुनाव के ठीक पहले की गई इस गिरफ्तारी का उद्देश्य किसी व्यक्ति को चुनाव प्रचार के लिए अक्षम बना देना और किसी पार्टी को तगड़ा झटका देना है। ऐसा करने से पहला वोट डालने से पूर्व ही थोड़ी बढ़त मिल जाती है। उन्होंने आगे कहा कि "हां, मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया जा सकता है, लेकिन प्रश्न गिरफ्तारी के समय का है।

ई.डी. की याचिका में तीन दिन का समय मांगे जाने पर सिंघवी ने कहा कि यह अनुरोध पूर्णतया दुर्भावनापूर्ण है। एक दिन की कैद भी आधारभूत अधिकारों का मुद्दा है। ई.डी. क्या जवाब प्रस्तुत कर सकती है? वह जवाब गिरफ्तारी के आधार से अलग नहीं हो सकता।

एक एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि वह कुछ समय बाद इस मामले पर फिर से सुनवाई करेंगी।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को ई.डी. ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था, बाद में दिल्ली की एक निचली अदालत ने उन्हें 28 मार्च तक ई.डी. की हिरासत में सौंप दिया था।

हाई कोर्ट ने जब केजरीवाल को ई.डी. के दण्डात्मक कार्यवाही से संरक्षण प्रदान करने से इन्कार कर दिया था, तब ई.डी. ने उन्हें कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया था।

इस बीच, केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि उनके आवास पर ई.डी. द्वारा मारे गए कई छापों में कोई भी पैसा नहीं मिला था और उनके पति दिल्ली की आबकारी नीति के केस में 28 मार्च को कोर्ट में सच्चाई बयान करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे पति ने दिल्ली के जल मंत्री को हिरासत से ही निर्देश जारी किए, लेकिन केन्द्र इस पर अपनी टांग अड़ा रहा है। क्या वह दिल्ली को बर्बाद करना चाहता है? सुनीता ने मंगलवार को ई.डी. के दफ्तर में केजरीवाल से मुलाकात की थी।

निर्मला सीतारमण लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी

नई दिल्ली, 27 मार्च। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने संबंधी भाजपा के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी उस तरह का धन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष ने उन्हें आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया था। भाजपा नेता सीतारमण ने यहां टाइम्स नाउ समिट 2024 में कहा, एक हफ्ते या दस दिन तक सोचने के बाद, मैंने जवाब दिया, नहीं।

कर्नाटक कांग्रेस में विवाद गहराया

- **5 कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफे की खुली धमकी दी।**

तिरुवनंतपुरम, 27 मार्च। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में कांग्रेस के लिए परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। पार्टी के पांच विधायकों (विधानसभा सदस्य) और दो एमएलसी (विधान परिषद सदस्य) ने टिकट विवाद पर इस्तीफा देने की धमकी दी है। बताया जा रहा है कि ये मामला कोलार निर्वाचन क्षेत्र को लेकर है।

दरअसल, कांग्रेस पार्टी ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा के एक रिश्तेदार को कोलार निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया है। अब कुछ कांग्रेस विधायक इसका विरोध कर रहे हैं। एक बातचीत में कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर ने अन्य विधायकों के हवाले से कहा कि वे "गुलाम नहीं हो सकते"।

एमसी सुधाकर भी विरोध करने वाले विधायकों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम (मुनियप्पा) परिवार के गुलाम नहीं हो सकते।

उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी परिवार के भीतर टिकट बांटती है। बाद में, समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, सुधाकर ने कहा, "हम चाहते हैं कि पार्टी में अन्य लोगों को मौका मिले। हम आज मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बात करेंगे। जब वह (मुनियप्पा) यहां थे, तो हमें उनकी कार्यशैली से दिक्कतें होती थीं। हमने कठिनाइयों का सामना किया। निर्वाचन क्षेत्र में आम धारणा है कि अनुसूचित जाति समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम इस परिवार के अलावा किसी और को उम्मीदवार के तौर पर देखना चाहते हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट पर दो विमान आपस में टकराये

कोलकाता, 27 मार्च। आज कोलकाता एयरपोर्ट के रनवे पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान आपस में टकरा गए। इंडिगो विमान टैक्सी वे से गुजर रहा था और उड़ान भरने के लिए एयरपोर्ट से ग्रीन सिग्नल के इंतजार में था। वहीं, दूसरी ओर एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान रनवे पर खड़ा था। विमान में सैकड़ों की संख्या में यात्री थे। विमानों के आपस में टकराने से यात्रियों में खलबली मच गई। हालांकि किसी तरह के घायल या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। उधर, डीजीसीए ने मामले में ऐक्शन लेते हुए इंडिगो के दोनों पायलटों को नौकरी से निकाल दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, दरभंगा जा रहे इंडिगो का एक विमान कोलकाता हवाईअड्डे में रनवे पर टैक्सी वे पर धीरे-धीरे गुजर रहा था।

- **इस हादसे में किसी भी प्रकार जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है।**

मु.मंत्री भजन लाल ने जयपुर शहर की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करता है इसलिए जनता भाजपा पर विश्वास करती है। जयपुर शहर लोकसभा प्रत्याशी मंजू शर्मा लगातार कार्यकर्ता बनकर संगठन और जनता की सेवा करती आई हैं और केंद्रीय नेतृत्व ने जयपुर की बेटी पर विश्वास जताया हैं। मुख्यमंत्री ने मंजू शर्मा को 10 लाख से अधिक वोटों से जिताने की जनता से अपील की। मंजू शर्मा द्वारा नामांकन पर्चा भरने के दौरान कलेक्ट्री के बाहर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे और हर-हर मोदी घर-घर मोदी, जय श्री राम जैसे नारे लगा रहे थे।

मंजू शर्मा ने नामांकन दाखिल करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैं जयपुर की बेटी लगातार जयपुर की जनता और संगठन की सेवा करती आई हूँ। पूर्व में मेरे पिताजी राजस्थान में मंत्री रहे स्व. भंवर लाल शर्मा ने भी जयपुर की जनता की सेवा की।" उन्होंने जनता को विश्वास दिलाया कि जयपुर शहर की जनता को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नामांकन सभा के दौरान प्रदेश सह-प्रभारी विजया रहाटकर, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, सांसद रामचरण बोहरा, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक कालीचरण सर्राफ, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा और लोकसभा संयोजक डॉ. एस. एस. अग्रवाल सहित अन्य विधायकगण और पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अलवर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव के समर्थन में विशाल बाइक रैली निकाली गई उसके बाद नामांकन सभा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, अलवर लोकसभा क्षेत्र की जनता का भाजपा के प्रति यह अपार स्नेह, अटूट विश्वास और प्रचंड समर्थन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प, अबकी बार 400 पार को साकार करके रहेगा।

करौली-धौलपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन सभा में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा उपस्थित थे।

बीकानेर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल की नामांकन सभा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी प्रवेश शर्मा उपस्थित थे। श्रीगंगानगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी प्रियंका बैलान की नामांकन सभा में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी प्रवेश शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

जयपुर ग्रामीण लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह की नामांकन सभा में प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, कैबिनेट मंत्री उद्योग एवं वाणिज्य कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया शामिल हुए।

झुंझुनू लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी की नामांकन सभा में भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं जॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी और कैबिनेट मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अविनाश गहलोत उपस्थित थे।

भरतपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली की नामांकन सभा में प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे और पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी शामिल हुए। दौसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा की नामांकन सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सासंद घनश्याम तिवाड़ी और पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी उपस्थित रहे।

गहलोत व सी.पी. जोशी उन जिताऊ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेहद करीबी तथा उन्हें फण्ड करने वाले प्रमुख व्यक्ति धर्मेन्द्र राठौड़ की रावत को टिकट दिलाने में प्रमुख भूमिका रही है।

प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि, रजनी पाटिल और रंधावा ने अपना होमवर्क क्यों नहीं किया और अतिमहत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों को इतने हल्के से क्यों लिया गया।

गुटों में बंटी कांग्रेस में हर रोज़ गंभीर आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं और यह भी कहा जा रहा है कि अशोक गहलोत व सी.पी. जोशी योग्य प्रत्याशियों के टिकट ब्लॉक करने की कोशिश में जुटे हैं, जिनमें से कई प्रत्याशियों को सचिन पायलट का समर्थन प्राप्त है।

ऐसा लगता है कि, कांग्रेस के अंदर व्यक्तिगत हित सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं और पार्टी को हाशिए पर धकेल दिया गया है।

और इस सबके बावजूद भी राहुल गाँधी सी.ई.सी. की बैठकों से नदारद हैं।

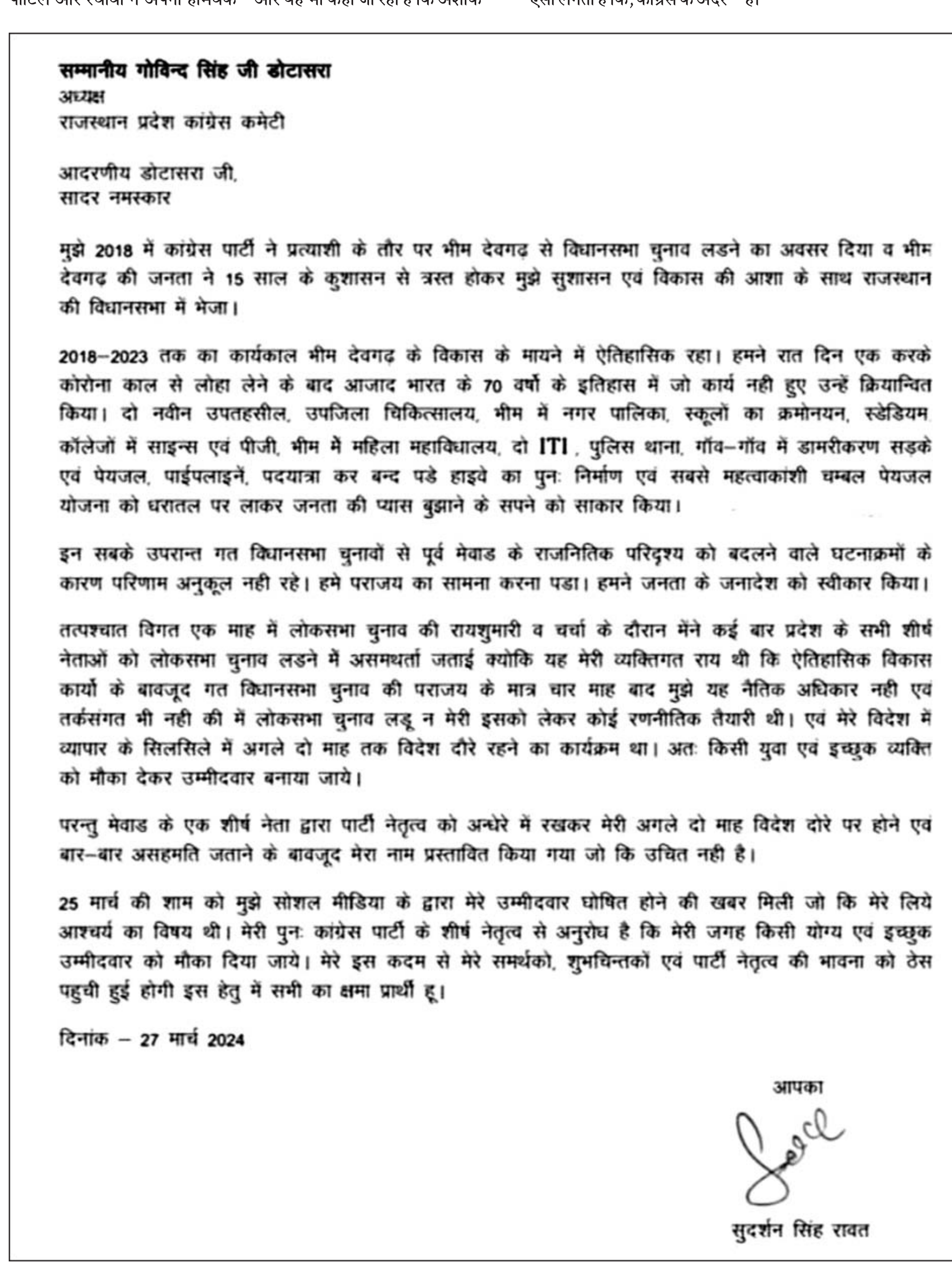

सम्मानीय गोविन्द सिंह जी डोटासरा
अध्यक्ष
राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

आदरणीय डोटासरा जी,
सादर नमस्कार

मुझे 2018 में कांग्रेस पार्टी ने प्रत्याशी के तौर पर भीम देवगढ़ से विधानसभा चुनाव लडने का अवसर दिया व भीम देवगढ की जनता ने 15 साल के कुशासन से त्रस्त होकर मुझे सुशासन एवं विकास की आशा के साथ राजस्थान की विधानसभा में भेजा।

2018-2023 तक का कार्यकाल भीम देवगढ़ के विकास के मायने में ऐतिहासिक रहा। हमने रात दिन एक करके कोरोना काल से लोहा लेने के बाद आजाद भारत के 70 वर्षो के इतिहास में जो कार्य नही हुए उन्हें क्रियान्वित किया। दो नवीन उपतहसील, उपजिला चिकित्सालय, भीम में नगर पालिका, स्कूलों का क्रमोनयन, स्टेडियम कॉलेजों में साइन्स एवं पीजी, भीम मे महिला महाविद्यालय, दो ITI, पुलिस थाना, गॉव-गॉव मे डामरीकरण सडके एवं पेयजल, पाईपलाइनें, पदयात्रा कर बन्द पडे हाइवे का पुनः निर्माण एवं सबसे महत्वाकांशी चम्बल पेयजल योजना को धरातल पर लाकर जनता की प्यास बुझाने के सपने को साकार किया।

इन सबके उपरान्त गत विधानसभा चुनावों से पूर्व मेवाड के राजनितिक परिदृश्य को बदलने वाले घटनाक्रमों के कारण परिणाम अनुकूल नही रहे। हमे पराजय का सामना करना पडा। हमने जनता के जनादेश को स्वीकार किया।

तत्पश्चात विगत एक माह में लोकसभा चुनाव की रायशुमारी व चर्चा के दौरान मेंने कई बार प्रदेश के सभी शीर्ष नेताओं को लोकसभा चुनाव लडने मे असमर्थता जताई क्योकि यह मेरी व्यक्तिगत राय थी कि ऐतिहासिक विकास कार्यो के बावजूद गत विधानसभा चुनाव की पराजय के मात्र चार माह बाद मुझे यह नैतिक अधिकार नही एवं तर्कसंगत भी नही की मे लोकसभा चुनाव लडू न मेरी इसको लेकर कोई रणनीतिक तैयारी थी। एवं मेरे विदेश मे व्यापार के सिलसिले मे अगले दो माह तक विदेश दौरे रहने का कार्यक्रम था। अतः किसी युवा एवं इच्छुक व्यक्ति को मौका देकर उम्मीदवार बनाया जाये।

परन्तु मेवाड के एक शीर्ष नेता द्वारा पार्टी नेतृत्व को अन्धेरे मे रखकर मेरी अगले दो माह विदेश दोरे पर होने एवं बार-बार असहमति जताने के बावजूद मेरा नाम प्रस्तावित किया गया जो कि उचित नही है।

25 मार्च की शाम को मुझे सोशल मीडिया के द्वारा मेरे उम्मीदवार घोषित होने की खबर मिली जो कि मेरे लिये आश्चर्य का विषय थी। मेरी पुनः कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से अनुरोध है कि मेरी जगह किसी योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार को मौका दिया जाये। मेरे इस कदम से मेरे समर्थको, शुभचिन्तकों एवं पार्टी नेतृत्व की भावना को ठेस पहुची हुई होगी इस हेतु मे सभी का क्षमा प्रार्थी हू।

दिनांक - 27 मार्च 2024

आपका
सुदर्शन सिंह रावत

उदयपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी सुदर्शन रावत ने डोटासरा को पत्र लिखकर चुनाव नहीं लड़ने से इन्कार कर दिया, यहां प्रस्तुत है उस पत्र की प्रति।

महाराष्ट्र में गैर भाजपा गठबंधन में जूतम पैजार शुरू हुई सीट शेयरिंग को लेकर

कांग्रेस के संजय निरूपम, जो मुम्बई नॉर्थ वैस्ट की सीट पर निगाह टिकाये थे, ने उद्धव शिव सेना के इस सीट पर प्रस्तावित उम्मीदवार पर "खिचड़ी चोर" होने का आरोप लगाया

- **निरूपम के अनुसार, अमोल कीर्तिकर, सेना (उद्धव) के प्रस्तावित उम्मीदवार, को ई.डी. के सम्मन आये, क्योंकि उन्होंने करोना के दौरान "माइग्रैंट्स" को खिचड़ी वितरण में कथित रूप से अनियमितताएं की थीं।**
- **इसी प्रकार कोल्हापुर की रॉयल फैमिली के हैड शाहू जी महाराज छत्रपति की उम्मीदवारी के बारे में भारी विवाद है। कांग्रेस ने छत्रपति को अपनी सूची में शामिल कर लिया है, दूसरी ओर शिव सेना (उद्धव ठाकरे खेमा) छत्रपति को अपना उम्मीदवार बनाना चाहती थी।**
- **पर, ये मतभेद केवल वैचारिक नहीं, राजनीतिक विवाद हैं, जो वातावरण बिगाड़ रहे हैं।**
- **शरद पवार की पार्टी भी भिवंडी सीट को लेकर कांग्रेस से उलझी हुई है।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। भाजपा हालांकि ओडिशा में बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) के साथ गठबंधन करने में असफल हो गयी है लेकिन महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के सहयोगी दलों में दरार की खबरें अवश्य ही भाजपा के नेतृत्व वाले नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) खेमे के लिए राहत की बात है। शिव सेना उद्धव ठाकरे (यू.बी.टी.) के उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा के बाद जिसमें उत्तर-पश्चिम मुंबई से अमोल कीर्तिकर की उम्मीदवारी शामिल है, एम.वी.ए. के सहयोगी दलों में सीट बंटवारे की वार्ता, चार सीटों, सांगली, दक्षिण-केन्द्रीय मुंबई, उत्तर-पश्चिम मुंबई और भिवंडी के कारण अटक गयी है।

कांग्रेस नेता संजय निरूपम, जो कि उत्तर-पश्चिम मुंबई से चुनाव लड़ने की सोच रहे थे, ने शिव सेना यू.बी.टी. को "अलायंस धर्म" का उल्लंघन करने के लिए खरी-खोटी सुनायी और सेना के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को "खिचड़ी चोर" बताया। वो एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा पहले दिए गए उन सम्मनों का उल्लेख कर रहे थे जिसमें कोविड महामारी के दौरान, कीर्तिकर पर, प्रवासियों को "खिचड़ी" वितरण में अनियमितताओं के आरोप लगे थे। निरूपम ने कांग्रेस नेतृत्व को हस्तक्षेप करने के लिए कहा है तथा साथ-साथ ही धमकी भरे अंदाज में कहा है कि, "उनके विकल्प खुले हैं।"

उन्होंने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि, "मैं कांग्रेस नेतृत्व के निर्णय का एक सप्ताह तक इंतजार करूंगा, उसके बाद मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं।

सूत्रों ने कहा कि, कांग्रेस उत्तर-पश्चिम मुंबई की सीट छोड़ने की इच्छुक है लेकिन सांगली और दक्षिण-केन्द्रीय मुंबई की सीटों पर अड़ी हुई है। शिव सेना यू.बी.टी. ने चन्द्राहार पाटिल को सांगली के लिए चुना है। कांग्रेस, पूर्व मुख्यमंत्री वसंत दादा पाटिल को पोते, विशाल पाटिल को सांगली से और मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ को दक्षिण-केन्द्रीय मुंबई से चुनाव लड़ने की योजना बना रही थी। इस बात की संभावनाएं हैं कि कांग्रेस इन दो सीटों पर दोस्ताना लड़ाई के लिए जाएगी क्योंकि उसको विश्वास है कि शिव सेना के उम्मीदवारों में ज्यादा दम-खम नहीं है।

अन्य फसाद की जड़, कोल्हापुर सीट है, जहां से शिव सेना यू.बी.टी. पूर्व कोल्हापुर राजघराने के मुखिया, शाहु महाराज छत्रपति को अपने चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़वाना चाहती है। यद्यपि, शाहु महाराज का नाम कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची में शामिल है, जिसने सेना को परेशान कर दिया है। इसी दौरान, नैशलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) भिवंडी सीट के लिए दावेदारी ठोक रही है, यह तर्क देते हुए कि, कांग्रेस इस सीट पर वर्ष 2009 में जीतने के बाद, दो बार चुनाव हार चुकी है। कांग्रेस हालांकि, अपनी दावेदारी छोड़ने की इच्छुक नहीं है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908